राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में भारतीय भाषाओं की भूमिका

डॉ0 रतन कुमारी वर्मा

भारतीय भाषायें दुनिया की सबसे ज्यादा वैज्ञानिक और भावबोधक भाषाओं में अपना प्रमुख स्थान रखती हैं। इन भाषाओं का प्रयोग लाखों लोग प्रतिदिन अपने जीवन में नियमित रूप से करते हैं। भारतीय भाषायें विभिन्न आंचलिक क्षेत्रों और पीढ़ियों की सदियों पुरानी संस्कृति और विरासत को अक्षुण्ण रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान बनाये हुए हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए भाषा उसका प्राण तत्व है। भारत बहुभाषाई राष्ट्र है। '

स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष के दौरान मुक्तिकामी सभी स्वतंत्रता सेनानियों को एक सूत्र में पिरोने का काम हिन्दी भाषा कर रही थी। क्योंकि अन्य भारतीय भाषाओं की तुलना में हिन्दी बोलने एवं समझने वालों की संख्या अधिक थी। हिन्दी भाषा की सहजता, सरलता और वैज्ञानिकता सभी को एक सूत्र में बाँधने का कार्य कर रही थी। आजादी प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक था एक ऐसी भाषा हो जिसे सभी बोल व समझ सकें।